om 8 initial_Page 1 and 2 10-07-2014 21:34 Page 2

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक-8 जुलाई-II, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8.00

'समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना में जन-संचार माध्यमों की भूमिका'

अरावली की हरी-भरी वादियों के मध्य बसे आध्यात्मिक उर्जा के केन्द्र ज्ञानसरोवर प्रांगण में मीडिया जगत से जुड़े महानुभावों ने त्रिदिवसीय मीडिया सम्मेलन में सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर किया मंथन

ज्ञानसरोवर। तमाम दबावों के बावजूद भारतीय मीडिया सकारात्मक चिंतन देने की स्थिति में है। मूल्यों पर चिंतन न केवल भारत बल्कि विदेश में भी हो रहा है। इससे विषय की गंभीरता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा 'समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना में जन-संचार माध्यमों की भूमिका' विषय पर आयोजित मीडिया सम्मेलन में प्रेस परिषद के सदस्य एवं इंडिया न्यूज़ टी.वी. के सम्पादक राजीव रंजन नाग ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि चरित्र व आचरण हमें विरासत में मिले हैं, लेकिन दु:ख इस बात का है कि आज़ादी के बाद की तीसरी पीढ़ी को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश में आठ सौ बीस टी.वी. चैनल्स और पच्चीस हज़ार अखबार बाज़ार में हैं, लेकिन शिक्षित लोगों की संख्या केवल पच्चीस प्रतिशत तक सिकुड़ कर रह गयी है। जब मीडिया में माल बेचने की प्रतिस्पर्धा चल रही हो तो मूल्यों का ध्यान रखने की ज़िम्मेवारी भला कौन निभायेगा।

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए राजीव रंजन नाग, के.जी.सुरेश, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. ओमप्रकाश, ब्र.कु. करूणा, मधुकर द्विवेदी, डॉ. निर्मला, प्रो. कमल दीक्षित, ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. मानसिंह परमार, जयदेव कार्निक, डॉ. पी.सी.पतांजलि तथा अन्य।

के.जी. सुरेश,निदेशक,जी ग्रुप ग्लोबल फाउण्डेशन ने कहा कि सिनेमा और टी.वी. सीरियल हमारे संस्कारों का प्रतिरोध करने वाली सामग्री परोस रहे हैं,जिसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पाश्चात्य सभ्यता का प्रसार करने वाली सामग्री पर अंकुश लगाकर मीडिया देश व समाज को सही रास्ता दिखा सकता है।

दादी रतनमोहिनी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका ने मीडियाकर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारत में रामराज्य पुन: लाने में मुख्य भूमिका निभाएं।

ब्र.कु. ओमप्रकाश,अध्यक्ष,मीडिया प्रभाग ने कहा कि शिक्षा संस्थान अच्छे अच्छे डॉक्टर और इंजीनियर तो बना रहे हैं लेकिन चरित्रवान नागरिक बनाने पर उचित ध्यान नहीं दिया जा रहा। वैज्ञानिक प्रगति ने मीडिया को पहले से अधिक शक्तिशाली तो बना दिया लेकिन अपराध का ग्राफ भी उतनी ही तेज़ी से बढ़ रहा है।

ब्र.कु. करुणा,अध्यक्ष,मल्टी मीडिया ने कहा कि देश का उत्थान चरित्र के उत्थान के बिना संभव नहीं। युवा वर्ग में अच्छे संस्कार विकसित करके ही भारत को विश्व गुरु बनाना संभव होगा।

मधुकर द्विवेदी,संपादक,संवेत शिखर रायपुर ने कहा कि जो शांति तमाम अच्छाइयों का आधार है उसे प्रसारित व प्रचारित करने में ब्रह्माकुमारी संस्था समूचे विश्व में ध्वजावाहक बनकर उभर आयी है।

ब्र.कु. डॉ. निर्मला,निदेशिका,ज्ञानसरोवर ने कहा कि श्रेष्ठ भूमि कहे जाने वाले भारत में अब हर कोई विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे पतन से चिंतित है।

प्रो. कमल दीक्षित,संयोजक,मीडिया मूल्य अभिक्रम समिति ने कहा कि बदलाव की चाहत हर कोई महसूस करता है। बदलाव की बयार कितनी तेज़ी से बह रही है इसका उदाहरण हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से मिलता है। मीडिया सामाजिक बदलाव के अभियान को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभा सकता है।

ब्र.कु. मृत्युंजय,उपाध्यक्ष,शिक्षा प्रभाग ने कहा कि अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध बजाए गए बिगुल व नई सरकार के गठन में मीडिया की अहम् भूमिका रही है।

डॉ. मानसिंह परमार,विभागाध्यक्ष, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका से जब विश्वास उठ रहा है तो मीडिया पर लोगों की निगाहें टिकना स्वाभाविक है। मीडिया को श्रीकृष्ण की भूमिका में आना होगा जिन्होंने धर्म की पुनर्स्थापना की थी।

वेब दुनिया के संपादक जयदेव कर्निक ने कहा कि पिछले एक दशक से मीडिया की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। मीडिया को आईना देखकर महसूस करना चाहिए कि उम्मीदों का दीया सिर्फ उन्हीं में जल रहा है।

डॉ. पी.सी. पतांजलि,पूर्व उपकुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने कहा कि मीडिया का स्वरूप बदल गया है। समाचारपत्रों में अब समाचार ढूंढ़ने पड़ते हैं। हमें यह सोचना होगा कि समाज बारूद के ढ़ेर पर बैठा है और इसे विस्फोट से बचाने का दायित्व मीडिया ही निभा सकता है।

मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. शान्तनु ने सभी का आभार प्रगट किया।

अध्यात्म से समाप्त होंगी सामाजिक कुरीतियां-दादी

ज्ञानसरोवर। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए अध्यात्म सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है। भारतीय संस्कृति ही दुनिया में त्याग, बलिदान और तपस्या द्वारा श्रेष्ठ समाज का निर्माण करने में सक्षम है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि प्राचीन चिंतकों ने भारत की संस्कृति को विश्व में फैलाने का जो भागीरथ कार्य किया था, आज उस परिकल्पना को फिर से प्रगतिशील बनाए रखने के लिए समाजसेवकों को आगे आना होगा।

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र. कु.संतोष, प्रकाश पोडवाल,उपाध्यक्ष,नेपाल बैंक ऑफ कॉमर्स, ए.एन. जिंदल,पूर्व जस्टिस, पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय, ब्र.कु.अमीरचंद, ब्र.कु.प्रेमसिंह, वाई.पी. दास, रोटरी प्रांतपाल,सुनाम तथा अन्य।

ब्र.कु. संतोष,अध्यक्ष,समाज सेवा प्रभाग ने कहा कि सच्चा समाज सेवक वही है जो मानसिक स्तर पर भी समाजसेवा के नियमों से समझौता नहीं करे। समाज परिवर्तन के लिए मनुष्यों के हृदय परिवर्तन की ज़रूरत है जिससे लोगों में परस्पर वैमनस्य की भावनाओं को भुलाकर प्यार, सौहार्द से मिलकर समाज को उन्नति के पथ पर ले जाना होगा।

नंद कुमार चौहान,सांसद,मध्यप्रदेश खंडवा ने कहा कि मानवीय अंतर्द्वन्द्व से ही समाज का पतन हुआ है। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा समाज उत्थान का जो कार्य किया जा रहा है वह समूचे विश्व के

शेष पेज 6 पर

गणेश वंदना की प्रस्तुति देते हुए स्टेप अप डांस ग्रुप,हुबली के कलाकार।

इस कॉन्फ्रेन्स के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या पूर्णरूपेण भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की महिमा को उजागर करने पर केन्द्रित रही। स्टेपअप डांस ग्रुप हुबली द्वारा - शेष पेज 9 पर...